



ॐ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

आरव और मीरा: प्रेम और मेल

नमूना रिपोर्ट • काल्पनिक व्यक्ति

Aarav Sharma

15 अगस्त 1991 • 06:40

Jaipur, Rajasthan, India

साथ में Meera Iyer, जन्म 22 मार्च 1993, Chennai, Tamil Nadu, India



IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

इस रिपोर्ट में

01 आप दोनों, अलग-अलग

05 साथ का समय

02 गुण मिलान विस्तार से

06 पारंपरिक अभ्यास

03 मांगलिक और नाड़ी

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

04 नवांश में विवाह

01 आप दोनों, अलग-अलग

दो कुंडलियों की तुलना से पहले हर व्यक्ति को उसकी अपनी कुंडली से समझना उपयोगी है। यहाँ हर कुंडली का सार है।

आरव

आरव का लग्न सिंह है, राजसी अग्नि राशि, जिसमें चार ग्रह उदित हैं: मंगल, बुध, गुरु और शुक। वे गर्मजोशी भरे, सबकी नजर में रहने वाले और उदार हैं, और उन्हें नेतृत्व करना अच्छा लगता है। उनका चंद्रमा तुला राशि में, चित्रा नक्षत्र में है, जो सामंजस्य, न्याय और सौंदर्य की भावनात्मक जरूरत देता है। प्रेम में वे वफ़ादार और रक्षा करने वाले हैं, और उन्हें सराहे जाने और सम्मान पाने की जरूरत होती है।

उनका सातवाँ भाव, विवाह का भाव, कुंभ है, और उसके स्वामी शनि उनके छठे भाव में अपनी राशि में बैठे हैं। आरव के लिए साझेदारी साझा काम और समय से बढ़ती है। वे किसी स्वतंत्र, बुद्धिमान और थोड़े अलग स्वभाव की ओर आकर्षित होते हैं, और ऐसे साथी के साथ सबसे अच्छा करते हैं जो सच्चा मित्र भी हो।

मीरा

मीरा का लग्न वृषभ है, पृथ्वी तत्व की राशि, जिसके स्वामी शुक्र हैं, और यह वर्गोत्तम है: उनका नवांश लग्न भी वृषभ है। इससे एक स्थिर, धैर्यवान, इंद्रियों से जुड़ा स्वभाव और इस बात की पक्की समझ मिलती है कि उनके लिए क्या मूल्यवान है। उनके लग्न में केतु बैठे हैं, जो एक अंतर्मुखी, कभी-कभी अनासक्त गुण और अच्छी अंतर्ज्ञान शक्ति जोड़ते हैं।

उनका चंद्रमा कुंभ राशि में, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के दूसरे चरण में, उनके दसवें भाव में है, बुध के साथ और अपनी राशि के शनि के साथ। भावनात्मक रूप से वे विचारशील, सिद्धांतवादी और मकसद व काम पर केंद्रित हैं; वे परवाह शब्दों से अधिक भरोसेमंद व्यवहार से दिखा सकती हैं। प्रेम के ग्रह, उनके शुक्र, मीन राशि में, उनके ग्यारहवें भाव में, उच्च के हैं: स्नेह, समर्पण और सौंदर्य का वरदान, और यह संकेत कि प्रेम उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

♦ मीरा के शुक्र मीन में उच्च के हैं; आरव के लग्न में चार ग्रह हैं। स्नेह और समर्पण का मिलन दृश्यता और उत्साह से।

प्रेम में आप दोनों को क्या चाहिए

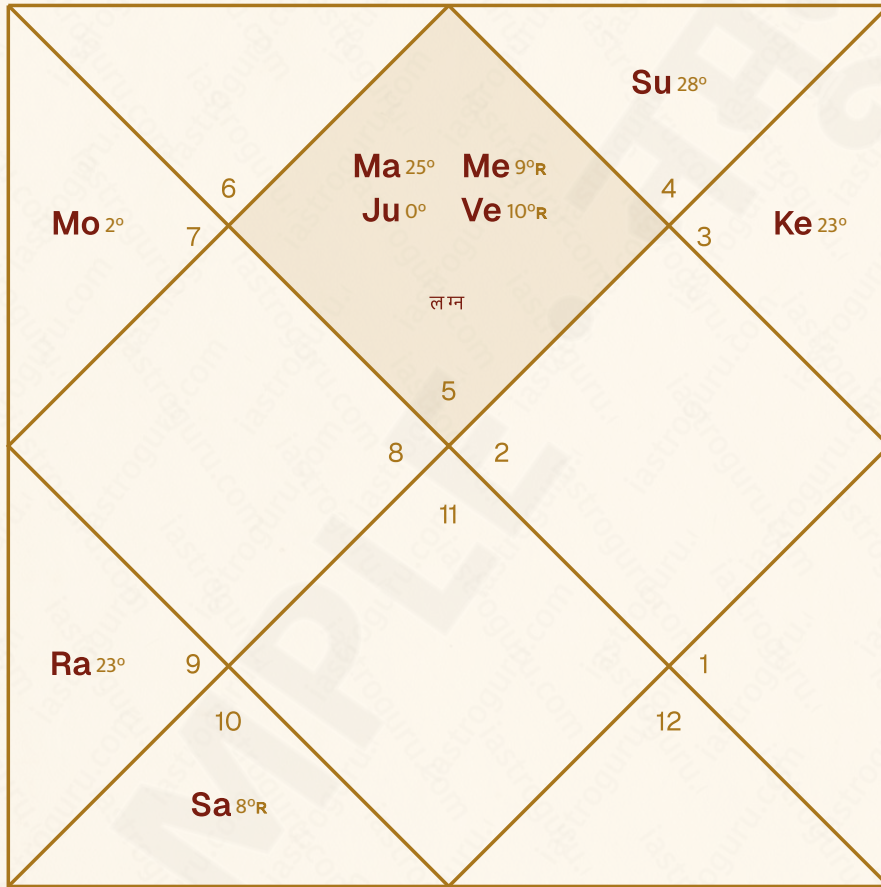
आरव को सराहे जाने की और अपने साथी व अपने घर पर गर्व कर पाने की जरूरत है। उनका तुला का चंद्रमा कोमलता और निष्पक्षता चाहता है; कड़वे शब्द या सबके सामने आलोचना उन्हें जितना दिखता है उससे अधिक चोट पहुँचाते हैं। वे खुले हाथ से देते हैं, पूरी शक्ति से रक्षा करते हैं और बड़े भाव-प्रदर्शन पसंद करते हैं।

मीरा को स्थिरता, ईमानदारी और ऐसा साथी चाहिए जिस पर वे भरोसा कर सकें कि वह अपनी बात निभाएगा। शनि के साथ उनका कुंभ का चंद्रमा अपनी जगह, अपने काम और आदर्शों का सम्मान, और उत्तर देने से पहले सोचने का समय चाहता है। वे स्थिर, व्यावहारिक समर्पण देती हैं, और सुरक्षित महसूस करने पर उनके उच्च के शुक्र उन्हें स्नेह की गहरी क्षमता देते हैं।

समझने की मुख्य बात गति है। आरव की अग्नि तेजी और गर्मजोशी से चलती है; मीरा की पृथ्वी और वायु सावधानी से चलती हैं। दोनों में से कोई गलत नहीं है। जब आरव धीमे होते हैं और मीरा अपनी भावनाएँ खुलकर कहती हैं, तो यह जोड़ी बहुत मजबूत बनती है।

जहाँ कुंडलियाँ मिलती हैं

सबसे उल्लेखनीय संबंध यह है: मीरा की चंद्र राशि, कुंभ, ठीक आरव का सातवाँ भाव है। शास्त्रीय ज्योतिषी अपने लग्न से सातवीं राशि में साथी के चंद्रमा या लग्न को आकर्षण का स्वाभाविक संकेत मानते हैं, और यहाँ यह स्पष्ट है। दूसरी दिशा में, मीरा का लग्न, वृषभ, आरव का करियर और प्रतिष्ठा का दसवाँ भाव है, जो संकेत देता है कि आरव के सार्वजनिक जीवन और महत्वाकांक्षाओं में मीरा की वास्तविक भूमिका हो सकती है।



आपकी गणना की गई कुंडलियाँ। दशमांश (D10) लग्न तुला है। दशमांश करियर और पद की वर्ग कुंडली है।

02 गुण मिलान विस्तार से

अष्टकूट पद्धति दोनों चंद्र नक्षत्रों की आठ कसौटियों पर तुलना करती है, जिनके कुल 36 गुण होते हैं। शास्त्रीय तालिकाओं के अनुसार आरव को वर और मीरा को वधू के रूप में पढ़ा गया है। आपका कुल योग 36 में से 18.5 है।

इस अंक का अर्थ

परंपरा में किसी रिश्ते पर विचार के लिए 18 गुण न्यूनतम माने जाते हैं, 24 और उससे ऊपर अच्छे, और 32 और उससे ऊपर उत्कृष्ट। 18.5 के साथ आप सीमा से थोड़ा ऊपर हैं। यह उन जोड़ों का आम परिणाम है जो आगे चलकर मज़बूत विवाह बनाते हैं। इसका अर्थ केवल इतना है कि नीचे दिए जानकारी अंक से अधिक मायने रखते हैं।

मज़बूत कूट

नाड़ी को पूरे 8 में से 8 गुण मिलते हैं। सभी कूटों में नाड़ी का भार सबसे अधिक है; आरव का नक्षत्र मध्य नाड़ी का है और मीरा का आदि नाड़ी का, और अलग-अलग नाड़ियाँ आदर्श मानी जाती हैं।

ग्रह मैत्री को पूरे 5 में से 5 गुण मिलते हैं। यह आपकी चंद्र राशियों के स्वामियों की तुलना करती है: आरव के तुला चंद्रमा के स्वामी शुक्र और मीरा के कुंभ चंद्रमा के स्वामी शनि, जो स्वाभाविक मित्र हैं। यह कूट मानसिक मेल और मित्रता बताता है, और अक्सर यही वह कूट है जिसे जोड़े रोज़ के जीवन में सबसे अधिक महसूस करते हैं।

वर्ण (1 में से 1) और वश्य (2 में से 2) भी पूरे हैं, जो मिलते-जुलते नज़रिया और आपके बीच प्रभाव का स्वाभाविक संतुलन दिखाते हैं।

कोमल कूट

गण को 6 में से 0 गुण मिलते हैं। आरव का चित्रा नक्षत्र राक्षस गण का है और मीरा का पूर्वा भाद्रपद मनुष्य गण का। गण स्वभाव बताता है; यह अंतर संकेत देता है कि आरव अधिक तीव्र और सीधे हो सकते हैं, जबकि मीरा अधिक संतुलित। यह स्वभाव बदलने की नहीं, एक-दूसरे की शैली के प्रति धैर्य की माँग है।

भकूट को 7 में से 0 गुण मिलते हैं, क्योंकि आपकी चंद्र राशियाँ एक-दूसरे से पाँचवीं और नौवीं हैं। बहुत-सी परंपराएँ इस 5-9 संबंध को सबसे हल्का भकूट दोष मानती हैं, और जब चंद्र राशियों के स्वामी मित्र हों तो यह पारंपरिक रूप से भंग हो जाता है; आपके स्वामी मित्र हैं, क्योंकि ग्रह मैत्री पूरी है।

तारा को 3 में से 1.5 और योनि को 4 में से 1 गुण मिलता है (आरव के चित्रा की योनि व्याघ्र है और मीरा के पूर्वा भाद्रपद की सिंह)। ये रोज का भाग्य और शारीरिक मेल बताते हैं, और यहाँ आंशिक अंक बहुत आम हैं।

- ♦ 36 में से 18.5, पूरी नाड़ी और पूरी ग्रह मैत्री के साथ: सबसे अधिक भार वाला और रोज के जीवन से सबसे जुड़ा कूट, दोनों मज़बूत हैं।

बड़े-बुज़ुर्ग ऐसे मिलान को आम तौर पर कैसे पढ़ते हैं

ज़्यादातर परिवारों में 18 से ऊपर का अंक, नाड़ी दोष का न होना, मज़बूत ग्रह मैत्री और संतुलित मांगलिक दोष आगे बढ़ने योग्य रिश्ता माना जाता है, और भूकूट व गण के बिंदुओं को बाधा नहीं, चर्चा का विषय माना जाता है। बहुत-से ज्योतिषी दोनों नवांशों और दशाओं के समय की भी तुलना करेंगे, जो अगले अध्याय करते हैं।

अष्टकूट गुण मिलान: 36 में से 18.5

कूट	AARAV	MEERA	अंक
Varna	Shudra	Shudra	1 / 1
Vashya	Manava (human)	Manava (human)	2 / 2
Tara	—	—	1.5 / 3
Yoni	Tiger	Lion	1 / 4
Graha Maitri	Venus	Saturn	5 / 5
Gana	Rakshasa	Manushya	0 / 6
Bhakoot	—	—	0 / 7
Nadi	Madhya (Pitta)	Aadi (Vata)	8 / 8

पारंपरिक मानक: 18 या अधिक स्वीकार्य, 24 या अधिक अच्छा, 32 या अधिक उत्तम। अंक मिलान का एक भाग है, पूरा नहीं।

03 मांगलिक और नाड़ी

हर पारंपरिक मिलान में दो दोष देखे जाते हैं: मांगलिक दोष और नाड़ी दोष।

दोनों ओर मांगलिक दोष

लग्न से गिनें तो आरव के मंगल उनके पहले भाव में हैं और मीरा के मंगल उनके दूसरे भाव में। दोनों स्थितियाँ लग्न से मांगलिक दोष बनाती हैं। चंद्रमा से गिनें तो किसी भी कुंडली में यह दोष नहीं है: आरव के मंगल उनके चंद्रमा से ग्यारहवें स्थान में हैं और मीरा के मंगल उनके चंद्रमा से पाँचवें स्थान में।

शास्त्रीय नियम यह है कि जब दोनों साथी मांगलिक हों तो दोष संतुलित हो जाता है। यहाँ दोनों कुंडलियों में यह एक ही तरह से है, केवल लग्न से, और चंद्रमा से किसी में नहीं। पारंपरिक नियमों के अनुसार मांगलिक दोष की दृष्टि से यह संतुलित मिलान है।

नाड़ी दोष नहीं

नाड़ी दोष तब बनता है जब दोनों साथियों की नाड़ी एक ही हो। आपकी नाड़ियाँ अलग हैं, मध्य और आदि, इसलिए नाड़ी दोष नहीं है। बड़े-बुजुर्ग आम तौर पर सबसे पहले यही कूट देखते हैं, और यह साफ़ है।

व्यावहार में इसका अर्थ

मांगलिक दोष को अक्सर विवाह के बारे में ही एक चेतावनी समझ लिया जाता है। शास्त्रीय रूप से यह प्रबल मंगल ऊर्जा बताता है: साहस, जोश और तेज प्रतिक्रियाएँ। जब दोनों साथियों में यह हो, जैसा आप दोनों में है, तो ऊर्जाएँ बराबर होती हैं और परंपरा मिलान को संतुलित मानती है। व्यावहारिक सीख यह है कि इस साझा ऊर्जा को गतिविधि में लगाएँ और मतभेदों को बढ़ने देने के बजाय जल्दी सुलझाएँ।

04 नवांश में विवाह

नवांश (D9) वह कुंडली है जिसका प्रयोग पराशर विवाह के वर्णन के लिए करते हैं। दोनों सातवें भावों और नवांशों की तुलना दिखाती है कि साझेदारी में आप दोनों क्या खोजते हैं और क्या देते हैं।

दोनों सातवें भाव

आरव का सातवाँ भाव कुंभ है, जिसके स्वामी शनि उनके छठे भाव में हैं: वे ऐसा साथी खोजते हैं जो मित्र हो, जिसका अपना मकसद हो, और जिसके साथ वे काम और दिनचर्या से साझा जीवन बना सकें। अपने चंद्रमा, बुध और स्वराशि के शनि के साथ कुंभ में मीरा ठीक इन्हीं गुणों का रूप हैं।

मीरा का सातवाँ भाव वृश्चिक है, जिसमें राहु बैठे हैं, और उसके स्वामी मंगल उनके दूसरे भाव में हैं। वे गहराई, तीव्रता और प्रबल ऊर्जा वाले साथी की ओर आकर्षित होती हैं; सातवें भाव में राहु अक्सर किसी अलग पृष्ठभूमि या अनोखी राह वाले व्यक्ति को आकर्षित करते हैं। आरव के लग्न में मंगल बलवान हैं और उनमें राक्षस गण की तीव्रता है। मीरा का सातवाँ भाव ठीक यही माँगता है।

दोनों नवांश साथ में

आरव का नवांश लग्न वृषभ है, जो मीरा का लग्न भी है और उनका नवांश लग्न भी। दूसरे शब्दों में, आरव का भीतरी, विवाह से जुड़ा स्वभाव उसी राशि से बना है जो मीरा को बाहर और भीतर दोनों से परिभाषित करती है। यह एक शांत पर अर्थपूर्ण संबंध है: अपने अग्रिमय सिंह बाहरी रूप के नीचे आरव उसी सुरक्षा, वफादारी और सुख को महत्व देते हैं जो मीरा के लिए स्वाभाविक हैं।

आरव के नवांश में शुक्र कर्क में बैठे हैं, जो देखभाल करने वाली राशि है; मीरा के नवांश में शुक्र कुंभ में बैठे हैं। दोनों ऐसे प्रेम का वर्णन करते हैं जो बड़े भाव-प्रदर्शन से अधिक देखभाल, वफादारी और साझा आदर्शों से व्यक्त होता है।

दोनों कुंडलियों में शुक्र और मंगल

शुक्र बताते हैं कि व्यक्ति प्रेम कैसे करता है और मंगल इच्छा और उत्साह बताते हैं। मीरा के शुक्र मीन में उच्च के हैं, जो शुक्र की सबसे समर्पित स्थिति है, जबकि आरव के मंगल उनके अपने लग्न में हैं और उनके योगकारक हैं। शास्त्रीय ज्योतिषी एक कुंडली में बलवान शुक्र और दूसरी में बलवान मंगल को स्वाभाविक पूरक मानते हैं: स्नेह का मिलन पहल से।

भारव के अपने शुक्र सिंह में वक्री हैं, जिससे वे प्रेम के मामले में चुनिंदा और किसी निर्णय पर पहुँचने में धीमे हो सकते हैं, मीरा का स्थिर वृषभ लग्न और उनका वर्गोत्तम नवांश लग्न ठीक उसी प्रकार की विश्वसनीयता है जो वक्री शुक्र को स्थिर करती है।

05 साथ का समय

दशाएँ बताती हैं कि आप दोनों जीवन के किन अध्यायों से गुज़र रहे हैं। जब दो लोग लगन से जुड़े होते हैं, तो उनकी दशाएँ साथ-साथ चलती हैं।

अभी आप दोनों कहाँ हैं

आरव गुरु महादशा की अंतिम अंतर्दशा, राहु अंतर्दशा, में 26 अगस्त 2027 तक हैं, जब उनकी उन्नीस वर्ष की शनि महादशा शुरू होती है। शनि उनके सातवें भाव के स्वामी हैं, इसलिए आने वाली यह महादशा सीधे विवाह और दीर्घकालिक साझेदारी को सक्रिय करती है। परंपरा में यह लगन के लिए प्रबल समय है।

मीरा अप्रैल 2021 से अप्रैल 2038 तक बुध महादशा में हैं, और जुलाई 2027 तक शुक्र अंतर्दशा में। शुक्र उनके लग्नेश और प्रेम के ग्रह हैं, और उनकी कुंडली में उच्च के हैं। शुक्र की अंतर्दशा परंपरा में प्रेम और विवाह के लिए सबसे अनुकूल समयों में से एक मानी जाती है।

उसके बाद के वर्ष

अगस्त 2027 से आरव की शनि महादशा उन्नीस वर्ष चलती है, और मीरा की बुध महादशा 2038 तक जारी रहती है। शनि और बुध स्वाभाविक मित्र हैं, और बुध आरव के पारिवारिक धन और लाभ के दूसरे और ग्यारहवें भावों के स्वामी हैं, इसलिए दोनों दशाओं का साथ-साथ लंबा चलना परंपरा में घर-गृहस्थी, साझा आय और स्थिर घर बनाने के लिए मददगार है।

एक स्वाभाविक समय

सब मिलाकर, 2027 के मध्य के महीने उल्लेखनीय हैं: मीरा की शुक्र अंतर्दशा समाप्त हो रही है, और आरव की शनि महादशा, जो उनके सप्तमेश को सक्रिय करती है, शुरू होने वाली है। बहुत-से परिवार औपचारिक लगन के लिए इस समय को देखेंगे। सटीक तिथि के लिए केवल दशाओं पर निर्भर रहने के बजाय पंचांग से उचित विवाह मुहूर्त चुनें।

- ♦ 2027 का मध्य: मीरा की शुक्र अंतर्दशा और आरव की आने वाली शनि महादशा, दोनों लगन की ओर संकेत करती हैं।

06 पारंपरिक अभ्यास

ऐसे मिलान वाले जोड़ों के लिए परंपरा में ये अभ्यास सुझाए जाते हैं। ये सहारे हैं, शर्तें नहीं।

गण के अंतर के लिए

जब स्वभाव अलग हों, तो परंपरा साझा पूजा और साझा दिनचर्या की सलाह देती है। साथ में शिव-पार्वती मंदिर जाना, या शाम को साथ दीपक जलाने जैसा कोई छोटा साझा अभ्यास रखना, दो स्वभावों को एक लय में लाने का पारंपरिक तरीका है।

भकूट के लिए

5-9 भकूट के लिए, जो यहाँ पहले से ही हल्का है क्योंकि आपकी चंद्र राशियों के स्वामी मित्र हैं, परिवार परंपरा से भगवान गणेश और गुरु की प्रार्थना करते हैं, और जोड़ों को संतान और परिवार से जुड़े निर्णय साथ मिलकर और जल्दी योजना बनाकर लेने को प्रोत्साहित किया जाता है।

दोनों ओर के मंगल के लिए

दोनों कुंडलियों में मंगल बलवान हैं, इसलिए उस ऊर्जा को एक साझा रास्ता दें: साथ में सैर, खेल या शारीरिक काम वाली परियोजनाएँ। परंपरा में मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ मंगल को शांत करने से जुड़ा है। मतभेद कैसे सुलझाएँगे, यह जल्दी तय कर लें; दो बलवान मंगल जल्दी बहस करते हैं और जल्दी माफ़ भी करते हैं।

संवाद के लिए

मीरा के दसवें भाव में और आरव के लग्न में बलवान बुध के साथ, शब्द आप दोनों के लिए बहुत मायने रखते हैं। हर सप्ताह फ़ोन के बिना, योजनाओं और भावनाओं पर एक इत्मीनान भरी बातचीत इस जोड़ी के लिए सबसे सरल और सबसे प्रभावी अभ्यास है।

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

दोनों कुंडलियों और अष्टकूट अंक की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव और विशोत्तरी दशा का प्रयोग करते हुए। हमारी अष्टकूट तालिकाओं को सभी 11,664 नक्षत्र-चरण जोड़ियों की एक प्रकाशित तालिका से मिलाकर जाँचा गया है।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले दोनों कुंडलियों से मिलाकर जाँचा गया। मिलान किसी परिवार के निर्णय का एक हिस्सा है, कभी पूरा निर्णय नहीं। यह नमूना दो काल्पनिक व्यक्तियों, आरव शर्मा और मीरा अय्यर, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।

इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।



Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)

Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:35 IST

Document ID IAG-3R1Y-BT09-VFMB